

सरकारी यादि

पालने 22

५५

६८



(1)

~~१८~~

१५

वर्षा विनाशक देवता यही भवति वर्षा

(14)

वर्षा विनाशक देवता यही भवति वर्षा

(15)

वर्षा विनाशक देवता यही भवति वर्षा

Rajawali, Sanishodhan  
Joint Project of Chavhan  
Vidyalaya, Nashik, Dhule and  
Chavan Pashchim, Mumbai.

महान् भवति	
१ छन्दोऽपि	१ इति मित्रुः
६ सर्वादिवा	६ रसराम्
६ अद्यति	६ विष्णुः
६ एवं विश्वा	६ वृषभः
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
२४) विश्वासी विश्वा	२४) विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
२३) विश्वासी विश्वा	२३) विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
६ विश्वासी विश्वा	६ विश्वासी
२२) विश्वासी विश्वा	२२) विश्वासी
२१) विश्वासी विश्वा	२१) विश्वासी
२०) विश्वासी विश्वा	२०) विश्वासी
१९) विश्वासी विश्वा	१९) विश्वासी
१८) विश्वासी विश्वा	१८) विश्वासी
१७) विश्वासी विश्वा	१७) विश्वासी
१६) विश्वासी विश्वा	१६) विश्वासी
१५) विश्वासी विश्वा	१५) विश्वासी
१४) विश्वासी विश्वा	१४) विश्वासी
१३) विश्वासी विश्वा	१३) विश्वासी
१२) विश्वासी विश्वा	१२) विश्वासी
११) विश्वासी विश्वा	११) विश्वासी
१०) विश्वासी विश्वा	१०) विश्वासी
९) विश्वासी विश्वा	९) विश्वासी
८) विश्वासी विश्वा	८) विश्वासी
७) विश्वासी विश्वा	७) विश्वासी
६) विश्वासी विश्वा	६) विश्वासी
५) विश्वासी विश्वा	५) विश्वासी
४) विश्वासी विश्वा	४) विश्वासी
३) विश्वासी विश्वा	३) विश्वासी
२) विश्वासी विश्वा	२) विश्वासी
१) विश्वासी विश्वा	१) विश्वासी

(3)

36

10

कात्पुरियां विकाल विद्युत छा

वर्षा नाम त्रिविद्युत विद्युत

कात्पुरियां विद्युत विद्युत विद्युत

कात्पुरियां विद्युत विद्युत विद्युत

१ कात्पुरियां विद्युत विद्युत

उम्मगान्ही विद्युत विद्युत

विद्युत विद्युत विद्युत

विद्युत विद्युत विद्युत

(4A)

विद्युत

कात्पुरियां विद्युत विद्युत विद्युत

Shodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan  
Joint Project  
Number

(5)

2

१९८०

କୁଳମାତ୍ରିକ ପାଦପାଦିକାନ୍ତିମ ପାଦପାଦିକା  
କାରି ରାଜମହାନ୍ତିମ ପାଦପାଦିକା  
ଚାଲିବାର ଉତ୍ତରପାଦପାଦିକା  
କାରି ପାଦପାଦିକା

ନିର୍ମାଣକାରୀ

~~७ विषयालय~~ ७ विषयालय

54

କାନ୍ତିମିତ୍ରଜାତିବ୍ୟକ୍ତିଗତିକୁ

~~Digitized by srujanika@gmail.com~~

~~राजवाचनश्च विष्वकोशात् विमुक्ते~~

~~कृष्ण द्वारा लिखा गया अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति~~

~~စာမျက်နှာ~~ ၁၁၃

(५) यस पर्वे उपर्युक्त विषयों का सम्बन्ध

~~Digitized by srujanika@gmail.com~~

66

५०

कर्त्तव्यानुग्रहमन्तर्गतिर्गत  
 अस्त्ररथाः प्रदर्शनेभिर्मन  
 वाहनमन्त्रेऽनुग्रहीतेभिर्गत  
 आवश्यकमन्त्रेऽनुग्रहवान्ते  
 लोक्यं पापाणीनार्थेऽनुग्रहीत  
 तास्त्रुत्वाणोर्जलभिर्मन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6A)

चक्रवाक्यान्ते लोकप्राप्तिर्गत  
 व्यपात्तिर्गत्वा लोकान्तर्गतमन्त्री  
 चांगमासाध्यान्त्रेऽनुग्रहवान्ते  
 वाहनेभिर्गताद्योग्यान्ते लोक  
 अवान्ते उपर्युक्तान्ते  
(6B)

द्युपार्णेष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6B)

द्येविष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6C)

द्येविष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6C)

द्येविष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6D)

द्येविष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6D)

द्येविष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
 उष्ट्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहमन्त्रेऽनुग्रहीत  
(6D)



१ द्युमिति नामोऽप्येष १ द्युमिति नामो  
 स्त्रा १ स्त्रा नामो  
 १ द्युमिति नामो १ द्युमिति नामो  
 १ द्युमिति नामो १ द्युमिति नामो  
 १ द्युमिति नामो १ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

१ द्युमिति नामो

*The Rajawade, Mandal, Dhule and the Deswaning Chava Petha*

*Joint Project of Mumbai*

*Mumbai, Maharashtra*

*and Chiplun*

सलम्भेष्टिकापद्मिन्दीनी  
 तत्त्वेवस्त्रैष्टिकुन्तित्तुमालार्था  
 चामृदामांवियामेश्वरामपाता  
 उग्रसूयमीष्टिकोम्बिलासु  
 उभोलामामुक्तिभिन्नित्तमु  
 लाम्बरक्षेष्टिग्रामामुक्तित्तमु  
 लोपित्तमुक्तिर्था  
 चामृदामामीष्टिकोम्बिलासु  
 मीष्टिक्तिर्था

मुक्तिर्था

Joint Project of Sanskruti, Sanshodhan Margal, Dhule and "Shishwantra havai"  
 "Shishwantra havai"  
 "Shishwantra havai"  
 "Shishwantra havai"

(P).

दृष्ट्यते दामरुम् त्रिमुखं च देवं

गु

पश्यते पश्यते देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

(P)

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

(P)

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

(P)

देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं देवं

गु गु

गु

१	सम	→	२१	सम
२	दृश्य	→	१२	दृश्य
३	गु	→	१३	सर्वांग
४	पुरुष	→	१४	दृश्यांग
५	गु	→	१५	दृश्यांग
६	गु	→	१६	सर्वांगी
७	दृश्य	→	१७	सर्वांगी
८	गु	→	१८	सर्वांगी

(1) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(2) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(3) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(4) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(5) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(6) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(7) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(8) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(9) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(10) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(11) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(12) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(13) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(14) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(15) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(16) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(17) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(18) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(19) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

(20) ~~प्राप्तिकर्त्ता विद्युति~~

१००

द्युस्वरीदात्रारीम्बद्यत्वा  
ग्रन्थादिमुद्रात्तदेन भित्तीवरो

प्रतीक्षेपित्तपुरुषं तेषाम् त्रिला  
यन्त्रद्युक्ताभ्युद्योगे तेषां विद्य

इम्बुद्यत्वात् इन्द्रज्ञनेभ्यः  
उत्तरस्मृत्युं इति विद्य

उपास्तीक्ष्य त्वत् प्रद्युम्नाः  
(12A) गाप्तुलभित्तिविद्य

श्वेत्तर्विवित्तां ज्ञातेष्वेष्विद्यम्  
उत्तेष्विद्यम् विद्यतोऽप्युपास्यद्यीम्

स्वस्वर्तित्तुलीभ्यं तेषां विद्य  
प्राप्तम्

उत्तुलीयेद्युम्बित्तिविद्यत्वात्  
तेषां विद्य

(12B) उत्तुलीयेद्युम्बित्तिविद्यत्वात्  
उत्तुलीयेद्युम्बित्तिविद्यत्वात्



(4) 9e

~~Ernest~~  
~~Tom~~  
~~Pis~~  
~~ap~~

0 → 80

11

296

ପ୍ରମାଣିତ ହେଉଥିଲା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

~~ସମ୍ବନ୍ଧରେ ପାତ୍ର ଦୂର କରିବାର ଏହାରେ~~

ଶୁଣି ମୁହଁରେ ପାଦରେ କାନ୍ତି ଗର୍ଭରେ କାନ୍ତି  
ISIA

③ དྲୁଦ୍ଧ གྲୁଟୁ གྲୁଟୁ གྲୁଟୁ གྲୁଟୁ གྲୁଟୁ

~~Shivnathji's letter to me~~  
Jadhan Mandal, Dhule and the Yash 960000

~~1134338061812201500001~~

~~અનુભવ કરેલું~~

ପ୍ରକାଶିତ ମହାନାନ୍ଦ ପାଠ୍ୟ ଗୁଣାଳୀ

ପାତାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କୁରୁତ୍ତିନାମପରିବାରକୁ ପରିବାରକୁ । ୪୩୨୦

କୁଣ୍ଡଳିମନ୍ତ୍ରୀ ପାତ୍ରମହାଦେଵାଚାର୍ଯ୍ୟ

ପାଦମୁଖରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ମୁଖ୍ୟ କର୍ତ୍ତା ହିତୀ ପିତା, ଯନ୍ମଧ୍ୟରେ

(15)

४८

(20)

- ~~— चार्या विभाग विद्या निर्देश द्वारा मतीले~~
- ~~— वेजांग लकड़ी द्वारा मतीला दृष्टि द्वारा~~
- ~~(15A) — पंचविषयों के द्वारा उभयपुण्यका~~
- ~~— सर्वविषयों के द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— पद्धितेऽपि द्वारा दृष्टि द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~(15B) — दृष्टि द्वारा विषयों के द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— उभयविषयों के द्वारा निर्देश द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— वृहद्विषयों के द्वारा निर्देश द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— दृष्टि द्वारा विषयों के द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~(15C) — दृष्टि द्वारा विषयों के द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— ग्रन्थालय के द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— एवं इसके द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— एवं इसके द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— एवं इसके द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~(15D) — भृत्यों द्वारा निर्देश द्वारा~~
- ~~— भृत्यों द्वारा निर्देश द्वारा~~



47

24

2

(18) राजाविद्या च विद्याविद्या  
उदामामानित देवताप्रधानम्  
विषयतावल्लभ धर्मज्ञानहृषी  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
निष्ठामानित विद्याविद्या  
राजाविद्या विद्याविद्या

(18A) श्री-राजाविद्या धर्मज्ञानहृषी  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
कामावल्लभ विद्याविद्या  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी

(18B) ग-राजाविद्या विद्याविद्या  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
प्रतिष्ठित धर्मज्ञानहृषी  
राजाविद्या विद्याविद्या  
राजाविद्या विद्याविद्या

(18C) राजाविद्या विद्याविद्या  
राजाविद्या विद्याविद्या  
राजाविद्या विद्याविद्या

(18D) राजाविद्या विद्याविद्या  
राजाविद्या विद्याविद्या

१९) ~~सहायता द्वारा अनुग्रहानि प्रदान की  
 जाती है इसकी विधि एवं लक्षण।  
 उपरोक्त विधि विवरण की तरीका  
 सहृदय के बाहर आगामी प्रभाव  
 की विधि विवरण की तरीका।~~

१९A) ~~की भागी निवेदन द्वारा योग्यता  
 विवरण के बाहर आगामी प्रभाव  
 की विधि विवरण की तरीका।  
 माधवीय विवरण की तरीका।  
 शोधुष्टीय चावल विवरण की तरीका।~~

१९B) ~~द्वारा विवरण की तरीका।  
 ज्ञान प्रदान के उपरोक्त विवरण की तरीका।  
 नियामक विवरण की तरीका।  
 तज्ज्ञान के उपरोक्त विवरण की तरीका।  
 द्वारा उपरोक्त विवरण की तरीका।~~

१९C) ~~द्वारा विवरण की तरीका।  
 उपरोक्त विवरण की तरीका।~~

१९D) ~~द्वारा विवरण की तरीका।  
 उपरोक्त विवरण की तरीका।~~

१९E) ~~द्वारा विवरण की तरीका।~~

Rajavade, Chavhan, Mandu, Libule and the Yashwantrao Chavhan  
 Joint Project of the Indian Museum, Mumbai



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : [rajwademandaldhule@gmail.com](mailto:rajwademandaldhule@gmail.com)